स्वर्ण भारत ट्रस्ट, नेल्लोर के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय अध्यक्ष का भाषण

भारत के पूर्व उप-राष्ट्रपति, श्री वेंकैया नायडु जी; स्वर्ण भारत ट्रस्ट के पदाधिकारीगण;

---

1. भारत के महान राज्य, इतिहास, अध्यात्म और परंपरा के संगम की भूमि आंध्र प्रदेश के नेल्लोर में आप सभी के बीच उपस्थित होकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। आज यहां ऐतिहासिक महत्व के इस जिले नेल्लोर में स्थित स्वर्ण भारत ट्रस्ट के समारोह में उपस्थित होना मेरे लिए खुशी की बात है।

2. मुझे यह बताने की आवश्यकता नहीं है कि स्वर्ण भारत ट्रस्ट सेवा के प्रति समर्पित एक गैर-सरकारी संगठन है। वर्ष 2001 में अपनी स्थापना के बाद से ही यह ट्रस्ट भारत में निरंतर अपनी सेवाएं प्रदान कर रहा है।

3. यह ट्रस्ट इस उद्देश्य को लेकर चलता है कि हमें समाज से जो कुछ मिला है उसे समाज हित में वापस लौटाना है। यही तो हमारी संस्कृति कहती है।

4. यही भारतीय परंपरा का मूल है। हम अपने श्रम से जो कुछ प्राप्त करें, उसका संग्रह नहीं करें; बल्कि उसका अपने लिए सार्थक उपयोग करें और उसके बाद जितना भी बच जाता है (शेष रह जाता है), उसे हम समाज के कल्याण में लगा दें। यह भावना हमारे भारत में अनेक धर्मों में, कई संस्कृतियों में रही है। हमारे महापुरुषों भगवान महावीर, स्वामी विवेकानंद जी, महात्मा गाँधी जी ने भी यही संदेश दिया है।

5. स्वर्ण भारत ट्रस्ट का मूल मंत्र 'बैक टू विलेजेज' है। यानी 'गांवों की ओर लौटो'। यह कथन महात्मा गांधी जी का है जिन्होंने गाँव स्वराज की अवधारणा दी थी। गाँधी जी ने बताया था कि अपने गाँवों को आत्मनिर्भर कर हम अपने देश को सशक्त बना सकते हैं।

6. गाँव से विकास की यात्रा शुरू हो, देश के हर गाँव-गाँव में खुशहाली हो; यही गाँधी जी का विज़न था।

7. 'स्वर्ण भारत ट्रस्ट' के संचालक श्री वेंकैया नायडू जी का सम्पूर्ण जीवन समाज के कल्याण में समर्पित रहा है। कमजोर-वंचित लोगों की सेवा, शिक्षा, महिला उत्थान के अनेक कार्यों में आपने योगदान दिया है।

वेंकैया जी के नेतृत्व में स्वर्ण भारत ट्रस्ट आज कमजोर आर्थिक समूह के बच्चों को शिक्षा प्रदान करने और युवाओं के लिए सेल्फ एम्प्लॉयमेंट ट्रेनिंग देने का काम कर रही है। इस ट्रस्ट की सहायता से कई गरीब बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने में मदद मिलती है। आपके समाज कार्यों से महिला सशक्तिकरण और जागरुकता को भी बढ़ावा मिला है। मैं इसके लिए आपको बधाई देता हूँ।

8. मैं अपने आप को सौभाग्यशाली मानता हूँ कि मुझे श्री एम. वेंकैया नायडु जी के अनुभव और ज्ञान से परिचित होने और उनसे बहुत कुछ सीखने का अवसर मिला है।

9. राजनीतिक जीवन में उन्होंने हमेशा शुचिता और सकारात्मक दिशा में कार्य करने की प्रेरणा दी है।

10. वर्ष 2019 में जब मैंने लोक सभा अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला, उससे पहले और उसके पश्चात, मुझे नायडु जी से परामर्श करने और विभिन्न मुद्दों के संबंध में उनकी सलाह लेने का सौभाग्य भी प्राप्त हुआ है। नायडु जी मेरे बड़े भाई के समान हैं।

11. मैंने देखा है कि नायडू जी ने हमेशा युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए अथक प्रतिबद्धता के साथ प्रयास किए हैं। आपको युवाओं की ऊर्जा पर बहुत विश्वास है। आपका मानना है कि भारत को महान और

विकसित बनाने के लिए हमारे युवा ही राष्ट्र के विकास इंजन की तरह काम कर सकते हैं।

12. युवाओं को जिम्मेदार बनाने के साथ ही आपने सदैव किसानों और महिलाओं को देश के विकास में भागीदार बनाने की इच्छा रखी है।

13. महिलाओं, किसानों और वंचित समुदायों को देश की प्रगति में साथ जोड़ने के लिए अपने सदा प्रयास किए हैं।

14. साथियों, आज मेरे लिए एक बहुत ही विशेष दिन है। आज सुबह मुझे सोमा टेक्निकल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट का दौरा करने और रुरल सेल्फ एम्प्लॉयमेन्ट ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट(आर-सेटी) में ग्रामीण बेरोजगार युवाओं के लिए स्वर्ण भारत ट्रस्ट ड्राइविंग स्कूल, ग्रामीण युवाओं के लिए पैरा मेडिकल ट्रेनिंग तथा ड्रोन पायलट ट्रेनिंग का उद्घाटन करने का अवसर प्राप्त हुआ।

15. मैंने अक्षर विद्यालय कैम्पस, स्वर्ण भारत ट्रस्ट, मुप्पावरपु फाउंडेशन, एलवी प्रसाद आई इंस्टिट्यूट/ हॉस्पिटल और ब्रिज स्कूल का भी दौरा किया।

16. मैं, स्वर्ण भारत ट्रस्ट द्वारा तैयार की गई बुनियादी सुविधाओं को देखकर बहुत प्रभावित हूँ। मुझे विश्वास है कि आप ग्रामीण लोगों को

शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराकर उनके जीवन स्तर में सुधार लाने का अपना यह सार्थक कार्य अनवरत रूप से करते रहेंगे।

17. इससे ग्रामीण और शहरी भारत के बीच विकास का अंतर कम होगा तथा हमारी अर्थव्यवस्था का विकास तेजी से होगा और देश की प्रगति में हमारे गाँवों की भूमिका, हमारे गाँवों के योगदान को बढ़ाया जा सकेगा।

18. युवाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए स्वर्ण भारत ट्रस्ट ग्रामीण युवाओं को व्यावसायिक और कंप्यूटर प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। इससे हमारे नौजवान आज के युग में जो तकनीक और कला-कौशल आवश्यक है, उससे परिचित हो सकेंगे। हमारे युवा सूचना प्रौद्योगिकी, विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में आगे तरक्की कर सकेंगे।

19. मुझे यह मालूम हुआ है कि स्वर्ण भारत ट्रस्ट स्थानीय स्तर पर किसान भाइयों – बहनों को खेती की नई तकनीक सिखाने, उन्हें खेती के नए तौर-तरीकों से अपडेट करने पर काम कर रहा है। ट्रस्ट किसानों को वैकल्पिक और वाणिज्यिक फसलों की जानकारी दे रहा है, जिससे हमारे किसान बंधु समृद्धि की राह पर बढ़ रहे हैं।

20. स्वर्ण भारत ट्रस्ट स्थानीय दस्तकारों, कुटीर उद्योग करने वाली महिलाओं को भी स्वरोजगार संबंधी प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। इससे

हमारे श्रमिक, कारीगर, महिलाएं सशक्त हो रहे हैं। उद्योग और मार्केटिंग की नई-नई तकनीकें घरेलू और कुटीर उद्योगों में भी कारगर हैं। इसका सीधा लाभ महिलाओं को मिल रहा है।

21. मैं स्वर्ण भारत ट्रस्ट की मैनेजिंग ट्रस्टी श्रीमती आई. दीपा वेंकट और उनके साथियों द्वारा समाज एवं जन कल्याण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करता हूँ। ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल प्रदान करके रोजगार, मानव विकास और कल्याण, महिला और बाल विकास तथा पशु देखभाल के क्षेत्र में विशेष रूप से ध्यान देते हुए ग्रामीण लोगों के दृष्टिकोण में सुधार लाने के लिए आपके द्वारा किए जा रहे कार्यों की मैं सराहना करता हूँ।

22. मुझे यह जानकर बहुत ख़ुशी हुई है कि बहुत कम समय में स्वर्ण भारत ट्रस्ट ने अपणे समाज कल्याण के कार्यों से बहुत ख्याति अर्जित कर ली है।

23. श्री नायडू जी के मार्गदर्शन के आधार पर मैं पूरे विश्वास से कह सकता हूँ कि स्वर्ण भारत ट्रस्ट भविष्य में भी अपने जन कल्याण के कार्यों को इसी तरह से जारी रखेगा।

24. मित्रों, मुझे ज्ञात हुआ है कि कोविड-19 महामारी के दौरान भी आपके ट्रस्ट ने लोगों की परेशानियों को कम करने के लिए अनेक कार्य

किए हैं। 7 सितम्बर 2021 को स्वर्ण भारत ट्रस्ट के तीन परिसरों.... वेंकटाचलम, विजयवाड़ा और हैदराबाद में 5 हजार लोगों के लिए निःशुल्क टीकाकरण अभियान चलाया गया था, जिसमें ग्रामीण महिलाओं, वृद्धजनों और छात्रों का टीकाकरण किया गया था।

25. कोविड की पहली लहर के दौरान लॉकडाउन के समय में भी आपके ट्रस्ट ने उल्लेखनीय कार्य किया। आपने जरूरतमंदों को खाद्य सामग्री और भोजन वितरित किया। विजयवाड़ा और उसके आसपास फंसे प्रवासी मजदूरों तथा जरूरतमंदों की सहायता के लिए ट्रस्ट ने 1200 से अधिक लोगों को मुफ्त भोजन और खाद्य सामग्री के पैकेट मुफ्त वितरित किए।

26. ग्रामीण क्षेत्र में समावेशी विकास के लिए इस ट्रस्ट ने बहुत कार्य किए हैं। अपने अनुकरणीय कार्यों के लिए आपके ट्रस्ट को देश के अंदर और देश के बाहर अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। आपकी इन सेवा उपलब्धियों ने भारत और भारतीयों को गौरवान्वित किया है।

27. मुझे आशा है कि आपकी उपलब्धियां उन लोगों के लिए अनुकरणीय मानदंड के रूप में काम करेंगी जो समाज और मानवता की सेवा करना चाहते हैं।

28. मुझे आशा है कि स्वर्ण भारत ट्रस्ट इसी प्रकार उत्कृष्ट कार्य करता रहेगा तथा ग्रामीण भारत के सतत और समावेशी विकास में अपना सार्थक योगदान देता रहेगा। मैं इस ट्रस्ट को सभी भावी प्रयासों के लिए अपनी तरफ से अनेक शुभकामनाएं देता हूँ।

धन्यवाद, जय हिंद।